

**हरिनख** पुं. (तत्.) सिंह या बाघ का नाखून, बघनखा  
वि. बघनखा से बना एक ताबीजनुमा यंत्र जिसे  
बच्चों के गले में पहनाते हैं।

**हरिनग** पुं. (तत्.) सर्प की मणि।

**हरिन-बारि** पुं. (तद्.) 1. मृगमरीचिका 2. मृग-  
तृष्णा।

**हरिन हरी** पुं. (देश.) सुहाग नामक वृक्ष जिसके  
बीजों से जलाने का तेल निकलता है।

**हरिनाक्ष** पुं. (तत्.) दे. हिरण्याक्ष।

**हरिनाथ** पुं. (तत्.) (बानरों में श्रेष्ठ) हनुमान।

**हरि-नाम** पुं. (तत्.) ईश्वर का नाम।

**हरिनारायणी** स्त्री. (तत्.) संगीत में कर्नाटक  
पद्धति की एक रागिनी।

**हरिनी** स्त्री. (तद्.) मादाहिरण, मृगी, हिरनी।

**हरिन्मणि** स्त्री. (तत्.) हरे रंग का रत्न विशेष,  
मरकत मणि, पन्ना।

**हरिपद** पुं. (तत्.) 1. भगवान विष्णु का लोक, धाम,  
वैकुण्ठ 2. भगवान के चरण छंद. एक अर्धसममात्रिक  
छंद जिसके प्रथम और तृतीय चरण में 16-16  
मात्राएँ तथा द्वितीय और चतुर्थ चरणों में 11-  
11 तथा सम चरणों के अंत में क्रमशः गुरु और  
लघु भी होते हैं।

**हरिपुर** पुं. (तत्.) दे. हरिधाम।

**हरि पैडी** स्त्री. (देश.) हरिद्वार तीर्थ में गंगा का  
एक विशेष घाट जहाँ के स्नान का बहुत  
माहात्म्य है।

**हरिप्रबोधिनी** वि. (तत्.) भगवान विष्णु को जगाने  
वाली, एकादशी, कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी।

**हरिप्रस्थ** पुं. (तत्.) इंद्रप्रस्थ।

**हरिप्रिय** वि. (तत्.) जो हरि को प्रिय हो पुं. भगवान  
को प्रिय वस्तु, व्यक्ति आदि 2. कदंब वृक्ष 3.  
शिव, महादेव 4. शंख 5. मूर्ख व्यक्ति 6. उन्मत्त  
पुरुष।

**हरिप्रिया** वि. स्त्री. जो हरि की प्रिय हो 1. लक्ष्मी  
2. पृथ्वी 3. तुलसी 4. एकादशी तिथि; छंद.

मात्रिक दंडक, छंदों का एक प्रकार जिसके  
प्रत्येक चरण में 46 मात्राएँ होती हैं 12,12,10  
पर यति होती है और अंत में गुरु होता है।

**हरिप्रीत** वि. (तत्.) जो हरि को प्रिय हो, हरिप्रिया।

**हरिप्रीता** स्त्री. (तत्.) 1. जो हरि को प्रिय हो 2.  
हरिप्रिया।

**हरिबधू** स्त्री. (तद्.) 1. 'हरि की पत्नी' 2. सिंहिनी,  
शेरनी।

**हरिबीज** पुं. (तत्.) हरताल।

**हरि बुलबुल** स्त्री. (तत्.+फा.) हरेवा पक्षी।

**हरिबोधिनी** वि. (तत्.) कार्तिक-शुक्ल पक्ष की  
एकादशी, हरिप्रबोधिनी, देवोत्थान एकादशी।

**हरिभक्त** पुं. (तत्.) 1. भगवान का भक्त, ईश्वर-  
भक्त, ईश्वर-प्रेमी 2. विष्णु-भक्त।

**हरिभक्ति** स्त्री. (तत्.) 1. भगवान की भक्ति,  
ईश्वर-भक्ति 2. विष्णु-भक्ति, ईश्वर प्रेम।

**हरिभुज** पुं. (तत्.) साँप, सर्प।

**हरिमंथ** पुं. (तत्.) 1. 'अग्नि-मंथ या गनिपारी का  
वृक्ष 2. मटर 3. चना 4. एक प्राचीन जनपद।

**हरिमंदिर** पुं. (तत्.) 1. हरि का मंदिर, विष्णु का  
मंदिर 2. परमात्मा का मंदिर।

**हरिमा** स्त्री. (तत्.) 1. हरीतिमा, हरापन 2. हरियाली।

**हरिमाहीनता** स्त्री. (तत्.) हरीतिमा का अभाव,  
हरापन न होना या कम होना वन., कृषि सामान्य  
रूप से हरे ऊतक का पीड़ा पड़ना।

**हरिमेध** पुं. (तत्.) 1. अश्व-मेध यज्ञ 2. विष्णु।

**हरियर** वि. (देश.) हरा, हरियल।

**हरियल** पुं. (देश.) हारिल (पक्षी) वि. (देश.) हरा।

**हरियाई** स्त्री. (देश.) हरियाली।

**हरिया-थोथा** पुं. (देश.) नीला थोथा, तूतिया।

**हरियान** पुं. (तत्.) विष्णु का वाहन, गरुड़।

**हरियाना** अ.क्रि. (देश.) 1. पेड़-पौधों का हरा-भरा  
होना 2. सुखी और सम्पन्न होना 3. लाक्ष.